नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
बजट अनुमान 2022–2023 पर
महापौर का अभिभाषण

माननीय अध्यक्ष महोदय,

नगर पालिक निगम, रायपुर की वर्तमान परिषद हेतु निर्वाचित सभी सम्मानित पार्षदगणों का कार्यकाल के इस तृतीय बजट सत्र में अभिनंदन एवं स्वागत करता हूँ।

कोरोना की महामारी के पिछले दो वर्ष हम सभी के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण रहे हैं। आम लोगों की जीवन रक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा, बेहतर स्वच्छता प्रबंधन के बीच सभी के लिए आजीविका के अवसर तैयार करने की जिम्मेदारी रायपुर नगर निगम के कंधों पर रही और सभी ने पूरी संवेदनशीलता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया हैं।

सोचने से कहां मिलते हैं तमन्नाओं के शहर,
चलने की जिद भी जरूरी है मंजिलों के लिए।।

जन सामान्य की सेवा में सदैव समर्पित छत्तीसगढ़ के संवेदनशील मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी, नगरीय प्रशासन मंत्री माननीय डॉ. शिव कुमार डहरिया जी, प्रभारी मंत्री माननीय श्री रविन्द्र चौबे जी, माननीय सांसद श्री सुनील सोनी जी, माननीया सांसद श्रीमती छाया वर्मा जी, संसदीय सचिव एवं माननीय विधायक श्री विकास उपाध्याय जी, छ.ग. गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष माननीय श्री कुलदीप जुनेजा जी, विधायक माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, माननीय विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा जी, रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री प्रभात मलिक जी, नेता प्रतिपक्ष माननीया श्रीमती मीनल चौबे जी सहित सम्मानित एम.आई.सी सदस्य, एल्डरमैन एवं सभी सम्मानित पार्षदगण, नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों एवं रायपुर के नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस परिषद को अपना अमूल्य सुझाव देकर शहर को आकार देने में साथ दिया हैं। अपनी लेखनी विचारों एवं अभिव्यक्ति के जरिए योजनाओं एवं कार्यक्रमों को नागरिकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवी, स्वयंसेवी संगठनों, पत्रकार साथियों का भी इस बजट सम्मिलन में अभिनंदन एवं स्वागत करता हूँ। रायपुर का मान–सम्मान व विश्वव्यापी पहचान स्थापित करने हम सभी सदैव अपनी भूमिका का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन आगे भी करते रहेंगे, यह मेरा दृढ़ विश्वास है।

मेरे शहर की असली उड़ान बाकी है,
अभी छोटे–बड़े कई इम्तेहान बाकी है।
अभी तो बदली है हमने मुट्ठी भर जमीन,
रंग भरने के लिए अभी तो पूरा आसमान बाकी है।।

कोरोना काल में उपजी परिस्थितियों के कारण भविष्य के लिए चिंतित हर परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाने की बड़ी जिम्मेदारी हम सभी पर हैं। समाज के अंतिम व्यक्ति की आँखों में बसे सपने को हकीकत के धरातल पर ले जाने का लक्ष्य लेकर हम सब को नगर विकास की दिशा निर्धारित करनी हैं। अधोसंरचना के निरंतर विकास से हमारा रायपुर महानगर के रूप में प्रतिष्ठित रहे एवं संवेदनशीलता के साथ जीवन मूल्यों को तराशने वाले शहर के रूप में इस शहर की पहचान बनीं रहे, यह जिम्मेदारी हम सभी के कंधों पर हैं।

सम्मानित साथियों,

रायपुर का गौरवशाली अतीत एवं उसकी विरासत की हमेशा से एक अलग पहचान रही है। कस्बे से रायपुर महानगर बनने तक के सफर में उन्नति, विश्वास, सहभागिता और सामंजस्य, समरसता के सभी भाव सम्मिलित रहे हैं। हर आयु वर्ग, समाज, सम्प्रदाय के व्यक्ति तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचे और उनके जीवन में उन्नति का नया सोपान स्थापित हो, इस दूरगामी सोच के साथ ही इस वर्ष भी योजनाओं एवं बजट का निर्धारण किया गया है।

रायपुर केवल छत्तीसगढ़ की राजधानी या महानगर ही नहीं, हमारा शहर देश के कई शहरों के लिए मार्गदर्शक भी है। रायपुर आज देश के फास्टेस्ट मूविंग कैपिटल, गार्बेज फ्री सिटी, सस्टेनेबल थ्री स्टार सिटी के रूप में जाना जाता है। स्वच्छता सर्वेक्षण–2021 में देश के श्रेष्ठतम 6 शहरों में शुमार रायपुर ने पूरे देश का ध्यान आकृष्ट किया है। यहां के नवाचार एक मॉडल के तौर पर सराहे जाते हैं। रायपुर में निर्मित अधोसंरचनाएं शहर

बपहुंचने वालों को आकर्षित करती है। निवास योग्य उत्कृष्ट शहरों की श्रेणी में होने के कारण विभिन्न राज्यों के लोग यहां अपना स्थायी आशियाना बना रहे हैं। विगत वर्षों के दौरान कोरोना के विरूद्ध महासंग्राम में जिस एकजुटता से पूरा शहर इस आपदा का सामना कर स्वयं को स्थापित किया है, वह रायपुर की ऊर्जा, संसाधन एवं दूरगामी सोच एवं नागरिकों के आत्मबल की पहचान कराती है।

यहीं जज्बा रहा तो, हर मुश्किल का हल निकलेगा,
जमी बंजर हुई तो क्या, वहीं जल निकलेगा।
न हो मायूस, न अंधेरे से घबरा,
इन्हीं रातों के दामन से सुनहरा कल निकलेगा।।

गत वित्तीय वर्ष की शुरूआत के साथ ही शहर में कोरोना के दूसरे व खतरनाक लहर की आहट हुई। जब पूरी दुनियां इस लहर से निपटने की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही थी, नगर पालिक निगम, रायपुर की पूरी टीम अपने पूरे संसाधनों के साथ नागरिकों की सेवा में जुटी रही। नगर निगम के सभी सम्मानित 70 पार्षदों ने केन्द्र व राज्य सरकार, स्थानीय सांसद, विधायक एवं अन्य जन–प्रतिनिधियों के साथ मिलकर हर व्यक्ति के जीवन सुरक्षा व स्वास्थ्य सेवा में कोई कमी नहीं होने दी। वास्तव में यह अपने शहर के प्रति अपनत्व, समर्पण, उत्तरदायित्व व जीवन मूल्यों के साथ उनके सेवा की भावना को प्रदर्शित करता है। इस विषम परिस्थितियों में अद्भुत सेवाओं के लिए रायपुर नगर निगम के सभी सफाई कर्मचारियों की सेवाओं को नमन करता हूँ, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर अपना अमूल्य योगदान दिया।

तत्कालीन नगर निगम कमिश्नर और वर्तमान कलेक्टर श्री सौरभ कुमार जी, नगर निगम कमिश्नर श्री प्रभात मलिक के साथ सभी जोन कमिश्नर और उनकी पूरी टीम को मैं रायपुर की जनता की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने निर्भीकता से हर विपरीत परिस्थितियों में दिन–रात एक कर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर नगर पालिक निगम की सेवाओं व स्वास्थ्य सुविधाओं को हर घर तक पहुंचाने में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया। इस दौर में राज्य शासन, जिला प्रशासन, रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि., स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सहित अन्य विभागों के साथ शहर के सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों ने जिस सेवाभाविता से आम लोगों की सेवा की है, उसकी सराहना देश के हर बड़े मंच पर होती है और कर्तव्यबोध से किए उत्कृष्ट कार्य से रायपुर का मान बढ़ाने के लिए हम इन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

कोरोना के साये में गुजरे विगत दो सालों में भी तरक्की की राह में रायपुर विकास पथ पर पीछे नहीं रहा। ऐसे दौर में नगर पालिक निगम, रायपुर ने अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित की एवं आम नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और रोजगार से जोड़ने की दिशा में ठोस पहल की गई, नागरिकों को नगर निगम से जुड़ी सुविधाएं घर बैठे सुगमता पूर्वक प्राप्त हो, इस दिशा में प्रयास किए गए। सभी के सहयोग से इन प्रयासों में व्यापक गतिशीलता मिली और सुविधाओं का नवा अंजोर रायपुर में दिखा –

1. **मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना** (MMSSY) :– मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की सोच व संकल्पों के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य के नगरीय निकायों के स्लम क्षेत्रों में निवासरत श्रमिक व निम्न आय वर्ग से जुड़े लाखों परिवारों को उनके मोहल्ले, बस्तियों में स्वास्थ्य सुविधा सुलभ कराने हेतु मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना (MMSSY) के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 15 मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन कर निर्धन परिवारों को उनके घर के नजदीक ही स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श व उपचार की सुविधा दी जा रही है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में चलित चिकित्सा दल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श जांच उपचार, दवाइयां उपलब्ध कराने के साथ ही स्लम क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं को निःशुल्क ANC/PNC जांच की महत्वपूर्ण सुविधा दी जा रही है। बस्तियों में रोस्टरवार स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प से गंभीर बीमारियों की पहचान कर मरीजों को जिला चिकित्सालय एवं उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों में रिफर भी इस मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा किया जाता है।

चलित चिकित्सा सेवा के जरिए निर्धन परिवारों की सेवा में जुटे रायपुर नगर निगम द्वारा महिला एवं किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण की विशेष व्यवस्था करते हुए **"दाई दीदी मेडिकल यूनिट"** की चलित इकाई का संचालन किया जा रहा है। इस मोबाइल यूनिट टीम में महिला स्टाफ नियुक्त है तथा इस यूनिट में सिर्फ महिलाओं के उपचार की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना (MMSSY) के तहत रायपुर में उपलब्ध कराई जा रही चलित स्वास्थ्य सेवा योजना से निर्धन परिवारों को सीधे लाभ मिल रहा है। नगर निगम, रायपुर क्षेत्र में अब तक **5277** कैम्प आयोजित कर **344709** मरीजों का उपचार किया गया हैं। इसके अलावा **70425** मरीजों का लैब टेस्ट तथा **309347** मरीजों को दवा वितरित की गई है। कैंप के तहत निर्धन परिवारों के इन मरीजों को लगभग **70** लाख रूपये की दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं। इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु नगरीय प्रशासन विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग सहित सभी सम्मानित विधायकों, जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त हो रहा हैं।

2. **श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर** :– छत्तीसगढ़ राज्य के निर्धन एवं मध्यम वर्गीय परिवार चिकित्सा एवं दवा पर होने वाले व्यय के भार से चिंतामुक्त हो सकें, दवाएं रियायती दर पर एवं सबकी पहुंच पर हो, इस उद्देश्य से आम नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक

दवाइयां सस्ती दरों पर सुलभ कराने हेतु छत्तीसगढ़ में श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना संचालित की जा रही है।

राज्य प्रवर्तित श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजनांतर्गत नगर निगम, रायपुर क्षेत्र में भी धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर से रियायती दर पर दवाएं उपलब्ध हैं। इसके तहत प्रथम चरण में नेताजी सुभाष स्टेडियम एवं अमलीडीह मोहल्ला क्लीनिक के समीप 19 अक्टूबर 2021 से जेनेरिक मेडिकल स्टोर शुरू किया गया। अगले चरण में नगर निगम रायपुर द्वारा कैनाल लिंकिंग रोड, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड, डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल एवं जी.ई. रोड आयुर्वेदिक कॉलेज के समीप भी जेनेरिक मेडिकल स्टोर की स्थापना की गई है। इन दवा दुकानों पर दवाएं गुणवत्तायुक्त एवं 72% तक रियायती दरों पर उपलब्ध होने से निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लिए दवाओं पर होने वाला खर्च को कम करने में सहायता मिली हैं। लाखों गरीब परिवार, जो आर्थिक तंगी के कारण दवा खरीदने में असमर्थ थें, उन्हें राज्य सरकार के इस प्रयास से एक बड़ी मदद पहुंची हैं। मुख्यमंत्री स्लम योजना एवं धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना से अब सैकड़ों परिवार सीधे तौर पर जुड़कर कम राशि खर्च कर दवा खरीदने में सक्षम होकर अपनी बीमारी का सही उपचार करा रहे हैं।

इन जेनेरिक दवाओं के रियायती दर पर विक्रय से 24 हजार से ज्यादा परिवार लाभान्वित हुए हैं। इन परिवारों को लगभग एक करोड़ 10 लाख की रियायत प्राप्त हुई है। यदि ये परिवार इन्ही दवाइयों को अन्य दुकानों से क्रय करते तो इन्हे लगभग एक करोड़ 77 लाख रुपये खर्च करने पड़ते। इस एक करोड़ 10 लाख रूपये की बचत राशि को ये परिवार अब अपने जीवन की बेहतरी एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए उपयोग करेंगे।

3. **स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना :–** न्यूनतम आय वर्ग के ऐसे बच्चें, जिनके पालक सुविधा व संसाधनों के अभाव में अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा उपलब्ध कराने में स्वयं को असमर्थ महसूस करते हैं, इन परिवारों के सपनों को साकार करने के लिए अंग्रेजी माध्यम में निःशुल्क गुणवत्तायुक्त उच्च स्तरीय शिक्षा–संसाधन सुलभ कराने हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना का शुभारंभ किया गया है। गत वित्तीय वर्ष में शासकीय बी.पी. पुजारी स्कूल में इस योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम में अध्यापन की सुविधा शुरू की गई थी। वर्ष 2021–22 में नगर निगम रायपुर क्षेत्र के 03 शासकीय स्कूलों आर.डी. तिवारी स्कूल, बी पी पुजारी एवं शहीद स्मारक स्कूल में भी अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रारंभ की गई। वर्तमान में इन तीनों स्कूलों में 2144 विद्यार्थी

अध्ययन प्राप्त कर अपने कैरियर को नई दिशा दे रहे हैं। इन स्कूलों में निम्न आय वर्ग से जुड़े परिवारों के साथ, शासकीय, अशासकीय संस्थानों, सीमांत व बड़े व्यवसायी परिवारों के बच्चें एक साथ अध्ययन कर सामाजिक समरसता की एक नई इबारत लिख रहे हैं। निजी अंग्रेजी स्कूलों से भी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित इस विद्यालय में बौद्धिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ ही खेल गतिविधियों को भी व्यापक प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसकी वजह से यहां अध्यनरत बच्चें ज्ञान, विज्ञान के साथ ही राष्ट्रीय स्तर की खेल गतिविधियों में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

इस योजना के तहत चयनित इन विद्यालयों में कक्षा– 1 से 12वीं तक अंग्रेजी माध्यम में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापन कार्य हेतु पृथक सेट–अप तैयार कर शैक्षणिक वातावरण तैयार किया गया है और वर्चुअल क्लास एवं स्मार्ट क्लास के माध्यम से अध्यापन कार्य का संचालन योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा किया जाता हैं। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर कक्ष, उन्नत लाइब्रेरी तैयार की गई है। बी.पी. पुजारी स्कूल में राष्ट्रीय स्तर का बास्केटबॉल मैदान तैयार किया गया है, साथ ही माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के मार्गदर्शन में आर.डी. तिवारी स्कूल के खेल मैदान के उन्नयन हेतु कार्य योजना तैयार की जा रही है।

4. **सरोवर सौंदर्यीकरण कार्य :–** तालाबों के शहर के रूप में ख्यातिलब्ध रायपुर के पुराने तालाब अपना अस्तित्व खोने लगे थे, अवैध अतिक्रमण, सुविधा विहीन तालाबों से आम नागरिक दूर होते जा रहे थें। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की सोच के अनुरूप ऐतिहासिक विरासत को संवारने व संजोने के अपने अहम प्रयासों की कड़ी में रायपुर नगर निगम ने शहर के महत्वपूर्ण तालाबों के सफाई, संरक्षण, संवर्धन और सौंदर्यीकरण का निर्णय लेते हुए इन तालाबों को पुनर्जीवित व पुनः प्रतिष्ठित करने का संकल्प लिया है। जो कि तालाबों की विरासत को संरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है।

रायपुर में ऐतिहासिक विरासत के रूप में अपनी पहचान रखने वाले बूढ़ातालाब–स्वामी विवेकानंद सरोवर सहित 42 तालाबों का 53 करोड़ रूपये की लागत से सौंदर्यीकरण की योजना तैयार कर इस पर क्रियान्वयन शुरू किया गया हैं। सरोवर को धरोहर के रूप में सुरक्षित रखने के इन प्रयासों का प्रतिफल है कि शहर के तालाब, जिनसे बच्चों, बड़ों के बीच दूरी बनती जा रही थी, अब वहां निर्मित सुंदर बाग–बगीचे, पाथवे, क्रीडा केन्द्र फिर से गुलज़ार हो कर इन तालाबों को पुनः नई पहचान दे रहे हैं।

शहर की अनमोल विरासत से आम लोगों को जोड़ने वाले बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण की शुरूआत वर्ष 2020 में हुई। दो चरणों में निर्धारित कार्य योजना के प्रथम चरण में तालाब की गंदगी, कचरे, जल कुंभियों, जमे गाद को दूर कर तालाब के पानी को स्वच्छ किया गया है। तालाब के किनारे नव निर्मित संरचना से स्वामी विवेकानंद जी की विशाल प्रतिमा तक पहुंचने हेतु फ्लोटिंग जल सेतु का निर्माण किया गया, साथ ही आकर्षक प्रवेश द्वार, चिल्ड्रन पार्क, दो स्तरीय पाथवे, म्यूजिकल फाउंटेन, आकर्षक लैण्ड स्केपिंग और जगमगाती रोशनी के बीच नौकायान का आनंद रायपुर निवासियों के साथ–साथ प्रदेश भर से पहुंचने वाले पर्यटक ले रहे हैं। बूढ़ा तालाब विकास योजना के द्वितीय चरण का कार्य प्रगतिरत है तथा ओपन थिएटर एंव वेंडिंग जोन निर्मित कर रायपुरवासियों के दैनिक जीवन के अभिन्न अंग के रूप में विकसित करने की योजना है, जो इस तालाब के संरक्षण एवं संवर्धन को आत्मनिर्भरता प्रदान करेगा। तालाब संवर्धन की इन योजनाओं के पूरा हो जाने से आम निस्तारी के लिए लोगों को अपने क्षेत्र में उपयुक्त तालाब सुलभ होगा और इनके संवर्धन से जल संरक्षण की दिशा में सहायता मिलेगी।

5. **उद्यानों का विकास :–** आम नागरिकों को आमोद–प्रमोद, व्यायाम व सैर के लिए सु–व्यवस्थित स्थल उपलब्ध कराने की योजना के तहत नगर निगम रायपुर एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. द्वारा लगभग 32 करोड़ रूपये की लागत से 48 उद्यानों को स्मार्ट सेल्फ सस्टेनेबल रूप में विकसित करने की योजना तैयार की गई है। माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के करकमलों से 13 जून 2021 को द्वितीय चरण के अंतर्गत प्रस्तावित शेष 30 उद्यानों के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। नगर निगम रायपुर एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. द्वारा उन स्थलों को भी उद्यान के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो रिक्त शासकीय भू–खंड होने के कारण कतिपय लोगों द्वारा बेजा कब्जा कर स्वतः उपयोग में लाया जा रहा था।

6. **स्मार्ट रोड योजना का क्रियान्वयन :–** तेजी से महानगर का स्वरूप ले रहे रायपुर शहर में सघन आबादी व आवाजाही वाले क्षेत्रों में अबाधित यातायात व पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु स्मार्ट रोड योजना की परिकल्पना रायपुर में पूरी हो रही है। प्रथम कार्य योजना के अंतर्गत रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा ऑक्सीजोन के समीप 220 मीटर सड़क को जी.ई. रोड से राजा तालाब रोड तक जोड़ने हेतु स्मार्ट रोड निर्मित किया गया था। गत वित्तीय वर्ष में 175 करोड़ रूपये की लागत से शहर के महत्वपूर्ण 7 मार्गों को स्मार्ट सड़क के

रूप में चिन्हित कर इन्हें विकसित करने की योजना का क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया है। रायपुर नगर की सड़कों को सु–व्यवस्थित, सु–नियोजित व जन सुविधा अनुरूप उन्नत करने हेतु स्मार्ट सड़क योजना का भूमिपूजन माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के करकमलों से 13 जून 2021 को हुआ है। इसके तहत खालसा स्कूल से कलेक्ट्रेट चौक, शास्त्री चौक से जयस्तंभ होकर फाफाडीह चौक, विद्याचरण शुक्ल चौक से महिला थाना चौक होकर राजीव गांधी चौक तक एवं कोतवाली से महात्मा गांधी सदन नगर पालिक निगम कार्यालय तक, कालीबाड़ी–कोतवाली–जयस्तंभ चौक, बूढ़ेश्वर मंदिर–लाखेनगर, बूढ़ातालाब परिधि, महाराजबंध तालाब, स्मार्ट रोड (फेस–2) सौंदर्यीकरण कार्य, आमापारा चौक से लाखे नगर होकर राजकुमार कॉलेज जी.ई. रोड़ तक स्मार्ट सड़क का निर्माण होगा। स्मार्ट सड़क में अंडरग्राउंड केबलिंग, जल निकास की व्यवस्था होगी, साथ ही लैंडस्केपिंग, साइनेज व रोड मार्किंग कर इस मार्ग को आकर्षक स्वरूप देकर जन सुविधा अनुरूप विकसित किया जाएगा। इस कार्य योजना से जहां सड़कों को भव्य स्वरूप मिलेगा, वहीं भूमिगत पाईप लाइन, विद्युत व्यवस्था, सुंदर पाथवे से सड़कें सुगम, सु–व्यवस्थित व जन सुविधाओं के अनुरूप होंगी।

7. **बाजार विकास योजना से मिला मालिकाना हक :–** रायपुर शहर के ऐतिहासिक बाजारों को सु–व्यवस्थित स्वरूप देने के साथ–साथ वर्षों से व्यवसाय कर रहे दुकानदारों को मालिकाना हक देने का महत्वपूर्ण कार्य माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शहर के पुराने बाजार के रूप में स्थापित गोल बाजार में व्यवसाय कर रहे पुराने दुकानदारों को मालिकाना हक प्रदान करने का जनहितकारी निर्णय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लिया गया है। शहर के ऐतिहासिक गोल बाजार को उसका मूल स्वरूप बनाए रखते हुए सु–व्यवस्थित स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित करने की योजना इस वर्ष प्रारंभ की गई है। इन बाजारों के कायाकल्प से बरसों से किराए की दुकान पर अपना व्यवसाय करने वाले व्यवसायियों को स्वयं के दुकान होने का आत्म गौरव और मालिकाना हक प्राप्त होगा। नगर निगम व रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. ने मिलकर वर्ष 2020 में जवाहर बाजार का कायाकल्प कर वर्षों से किराएदार के तौर पर व्यवसाय कर रहे लघु व्यवसायियों को मालिकाना हक प्रदान करने का अभूतपूर्व कार्य किया है।

8. श्री बालाजी स्वामी ट्रस्ट श्री दूधाधारी मठ अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल :– रायपुर शहर में सार्वजनिक बस परिवहन को सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने हेतु भाटागांव में लगभग 30 एकड़ की भूमि पर श्री बालाजी स्वामी ट्रस्ट श्री दूधाधारी मठ अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण किया गया, जिसका लोकार्पण 20 अगस्त 2021 को माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी द्वारा किया गया। लगभग 50 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस भवन के लोकार्पण उपरांत पंडरी बस स्टैण्ड में संचालित बस अड्डा को यहां से संचालित किया जा रहा है। इससे जहां पंडरी क्षेत्र के साथ शहर की यातायात की समस्या में काफी सुधार हुआ है तथा सर्व–सुविधायुक्त अंतर्राज्जीय बस अड्डा की सौगात रायपुर वासियों को मिली है। अंतर्राज्जीय बस अड्डे से प्रतिदिन 950–1000 बसों का संचालन हो रहा है।

परिसर के चार मंजिला भवन में कुल 104 कक्ष निर्मित है, जिसमें कार्यालय कक्ष, दुकानें, परिवहन कार्यालय, फूड कोर्ट, यात्री प्रतीक्षालय, फूड स्टॉल, महिला एवं पुरूष डॉरमेट्री की व्यवस्था है। इसमें महिला, पुरूष, विकलांग के साथ–साथ, थर्ड जेंडर यात्रियों के लिए पृथक प्रसाधन कक्ष की व्यवस्था इस परिसर में की गई है। इस बस स्टैंड में पंडरी बस स्टैंड के बस ऑपरेटर व व्यवसायियों को स्थान सुलभ कराया गया है। टर्मिनल में 14 बस–वे निर्मित है, जिसमें एक साथ 14 बसों के लिए स्थान निर्धारित है। विभिन्न मंजिल तक आने–जाने के लिए यात्रियों की सुविधा हेतु 5 हाई स्पीड लिफ्ट लगाए गए है। अग्निशमन दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु आधुनिक फायर फाईटिंग सिस्टम स्थापित है। जन सुविधा व सतर्कता को दृष्टिगत रखते हुए पूरे परिसर की सी.सी.टी.वी. कैमरा से निगरानी हो रही है एवं पुलिस बल हेतु पृथक बैरक निर्मित है। जन सूचना प्रणाली के तहत पब्लिक अनाउसमेंट सिस्टम की व्यवस्था परिसर में की गई है। बस स्टैंड परिसर में बसों की मरम्मत हेतु वर्कशॉप के लिए स्थान उपलब्ध है। यहां पानी का अपव्यय रोकने, वाहनों की धुलाई के लिए भाटागांव के फिल्टर प्लांट के बैकवॉटर का उपयोग होगा। पर्यावरण संरक्षण हेतु स्थान चिन्हित कर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा वृक्षारोपण कराया गया है। परिसर में 24ग7 सफाई की व्यवस्था, सिक्योरिटी व्यवस्था हेतु दल उपलब्ध है।

9. बेहतर अर्बन प्लानिंग के अनुरूप मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण :– रायपुर में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के माध्यम से 6 मंजिला मल्टीस्टोरी पार्किंग का कार्य लगभग रू. 25 करोड़ की लागत से किया गया है। इससे कलेक्ट्रेट परिसर, जिला न्यायालय परिसर,

रजिस्ट्री ऑफिस, ऑक्सीजोन में आने वाले लोगों को पार्किंग की समस्या से राहत मिली है। इसका लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2021 को किया गया।
इस परिसर में लगभग 450 कार पार्किंग, 160 टू–व्हीलर पार्किंग की व्यवस्था है। भवन में चार लिफ्ट की व्यवस्था है तथा हर फ्लोर में टॉयलेट एवं पानी की व्यवस्था की गई है। लगभग 17792 वर्ग मीटर क्षेत्र में हेलीकल (स्प्रिंगनुमा) आकार में न्यूनतम क्षेत्रफल का समुचित उपयोग कर अधिकतम वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था इस बहुमंजिला परिसर में की गई है, जो कि आधुनिक नगर योजना (अर्बन प्लानिंग) का सर्वोत्तम उदाहरण है। इस परिसर के संचालन का फाइनेंशियल मॉडल भी तैयार किया गया है, जिसके तहत नगरीय निकायों को आगामी 05 वर्ष में लगभग रू. 83.55 लाख की राजस्व आय की प्राप्ति होगी। इसके अलावा पंडरी कपड़ा मार्केट, लक्ष्मी कपड़ा मार्केट में आवागमन को सुव्यवस्थित करने पार्किंग स्थल तैयार किए गए हैं।

10. **चौक–चौराहों का सौंदर्यीकरण :–** रायपुर शहर को राजधानी की गरिमा के अनुरूप विकसित करने हेतु जयस्तंम्भ चौक, राजीव गांधी चौक, पंडित विद्याचरण शुक्ल चौक, कालीबाड़ी मंदिर के सामने तिराहा, पी.डब्ल्यू.डी. चौक, कबीर चौक, कालीबाड़ी चौक, देवेन्द्र नगर तिराहा गुरूजी चौक का सौंदर्यीकरण किया गया है। आधुनिक भारत के मार्गदर्शक व सूचना क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी जी की प्रतिमा का सौंदर्यीकरण कार्य नगर पालिक निगम रायपुर व रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिसका लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के मुख्य आतिथ्य में 21 मई 2021 को किया गया। स्व. श्री राजीव गांधी जी की प्रतिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु इसका रंग–रोगन विशेष डीको (DICO) पेंट से किया गया है। उनके व्यक्तित्व की आभा के अनुरूप थीमेटिक आर.जी.बी. आधारित रोशनी से तिरंगे के सदृश्य आलोकित है। लैंड स्केपिंग, ग्रेनाइट कार्य, फोकस लाइटिंग व ल्यूमिनस लाइटिंग से प्रतिमा स्थल को आकर्षक स्वरूप दिया गया है। चौक के आस–पास के क्षेत्र में स्व. श्री राजीव गांधी जी के सोच व स्वप्नों के अनुरूप थीम आधारित वॉल पेंटिंग कर शिक्षा, सूचना क्रांति जैसे संकल्पों में उनके योगदान को अविस्मरणीय बनाया गया है। कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में एक माह के भीतर यह निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इसी कड़ी में माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी की उपस्थिति में 23 जनवरी 2021 को स्वर्गीय पं. विद्याचरण शुक्ल चौक का अनावरण किया गया। इस चौक में झीरम घाटी के शहीदों की स्मृति में स्थापित उनके नाम पट्टिका का अनावरण के साथ

ही आकर्षक फव्वारे, एल.ई.डी. लाइट व स्क्रीन आदि सौंदर्यीकरण कार्य कर रायपुर की जनता को समर्पित किया गया है। इसके अलावा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह चौक, संत कबीर चौक, पुतरा–पुतरी चौक व आकाशवाणी चौक का सौंदर्यीकरण भी रायपुर स्मार्ट सिटी लि. व नगर निगम ने किया है। पूर्व निर्मित चौक–चौराहों में स्थापित महापुरूषों की प्रतिमा को ससम्मान स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने इनके रख रखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है एवं रायपुर नगर पालिक निगम शहर में सेवारत एन.जी.ओ. को साथ लेकर प्रतिमा स्थल के स्वच्छता हेतु योजनाबद्ध कार्य किया जा रहा है।

11. **यांत्रिक पद्धति से सड़कों की सफाई :–** नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा मुख्य एवं आंतरिक मार्गो की साफ–सफाई यांत्रिक पद्धति से की जा रही है। इससे न केवल सफाई व्यवस्था चाक–चौबंद हुई है, वहीं मशीनीकृत व्यवस्था शुरू हो जाने से अतिशेष मानव बल का समुचित उपयोग आंतरिक मार्गो व बस्तियों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में हो रहा है। इस हेतु लगभग 48 करोड़ रूपये की कुल लागत से आगामी 5 वर्षो तक के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। जिसके तहत शहर के प्रमुख 85 किलो मीटर लम्बाई की सड़कों का मशीनीकृत सड़क सफाई रात 10 बजे से सुबह 6 बजे की अवधि में की जा रही है। इन मशीनों से सड़कों की रोज धुलाई होने से रास्ते साफ और धूल मुक्त हुए हैं।

12. **स्वच्छता में आगे :–** नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले कूड़ा या ठोस अपशिष्ट के प्रसंस्करण एवं वैज्ञानिक पद्धति से निपटान हेतु सकरी में छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा प्रोसेसिंग प्लांट 24 जून 2020 को प्रारंभ किया गया। कचरे की प्रोसेसिंग के अलावा इस परिसर में भू–गर्भीय जल का उपयोग न कर लीचेट शोधन संयंत्र की सहायता से जल शोधन कर इसका उपयोग किया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति लगातार जन जागरूकता एवं जनप्रतिनिधियों तथा नगर पालिक निगम, रायपुर के एकजुट प्रयासों से इस वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण–2021 में फॉस्टेस्ट मूव केपिटल, सस्टेनेबल सिटी, गार्बेज फ्री सिटी के तौर पर थ्री स्टार रेटिंग, स्वच्छता मित्र सुरक्षा जैसे चार श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया है। नगर के जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों व आम नागरिकों के एकजुट प्रयास से "स्वच्छता सर्वेक्षण–2021" में पूरे भारत वर्ष में रायपुर नगर को स्वच्छता में 6वां स्थान प्राप्त हुआ। रायपुर नगर निगम द्वारा सभी के सम्यक प्रयासों से स्वच्छता में रायपुर को पूरे देश में सर्वोत्कृष्ट स्थान पर लाने हेतु योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे

हैं। महापौर स्वच्छता सेल के माध्यम से स्वच्छता संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं मॉनिटरिंग भी रायपुर में की जा रही है।

13. महिला स्व–सहायता समूहों के जरिए महिलाओं में आत्मनिर्भरता :– रायपुर नगर निगम द्वारा नगर विकास में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं से इन्हें जोड़ा जा रहा है। नगर निगम के सभी जोन में **बर्तन बैंक व झोला बैंक** का संचालन महिला समूह कर रही हैं। इससे जहां महिलाएं स्व–रोजगार से जुड़ रही है, वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। कोरोना काल में आम लोगों को मास्क के लिए प्रेरित करने में स्व–सहायता समूह की महिलाओं ने उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। शहरी आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं को रोजगार से जोड़ने हेतु **फूड कैंटीन** का संचालन भी इस वर्ष शुरू किया गया है। स्व–सहायता समूह को मिलेट प्रोडक्ट्स उत्पाद से खाद्य सामग्री तैयार करने वाली स्व–सहायता समूहों को सहयोग प्रदान करने तेलीबांधा के समीप केनाल रोड में विक्रय स्थल निर्धारित कर **"जोरन"** केन्द्र का संचालन भी इस वर्ष रायपुर में शुरू किया गया है।

14. तृतीय लिंग समुदाय को समाज की मुख्य धरा से जोड़ने रायपुर नगर निगम निरंतर प्रयासरत है। एन.यू.एल.एम. के सामुदायिक संगठक के रूप में नियुक्ति एवं इस समुदाय को आवास सुलभ कराने के बाद कौशल उन्नयन के जरिए इनके जीवन में बदलाव की जिम्मेदारी रायपुर नगर निगम पूरी कर रहा है। इसके अंतर्गत 18 तृतीय लिंग समुदाय के सदस्यों को माली कार्य का प्रशिक्षण देकर नगर के उद्यानों के रख–रखाव की जिम्मेदारी दी गई हैं।

15. रायपुर नगर निगम क्षेत्र में निवासरत वृद्धजनों को अपने वृद्धावस्था पेंशन के लिए बैंक या निगम कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े एवं सुगमतापूर्वक पेंशन उन्हें प्राप्त हो सके, ऐसे पेंशनधारियों के लिए **ए.टी.एम. प्रदान करने का कार्य** रायपुर नगर निगम के सहयोग से किया गया है।

16. पिंक केयर सेंटर :– भीड़–भाड़ व बाजार क्षेत्र में महिलाओं को प्रसाधन संबंधी होने वाली असुविधा को दूर करने हेतु नगर निगम एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमि. ने मिलकर पिंक केयर सेंटर के संचालन का निर्णय लिया गया। महिलाओं के लिए रायपुर शहर में चार पिंक टॉयलेट का निर्माण किया गया है। रायपुर शहर के सबसे प्रमुख शास्त्री बाजार एवं पंडरी बाजार में निर्मित पिंक टॉयलेट का लोकार्पण

महामहिम राज्यपाल द्वारा 30 जनवरी 2021 को किया गया था। शास्त्री बाजार में लगभग रू. 18.30 लाख की लागत से तैयार किए गए पिंक टॉयलेट में चार प्रसाधन कक्ष है। इसके अलावा शिशु दुग्धपान के लिए पृथक से कक्ष निर्मित है। महिलाओं की सुविधा हेतु प्रसाधन केन्द्र में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन व गरम पानी हेतु गीजर की व्यवस्था है। आगंतुक महिलाओं के लिए एल.ई.डी. स्क्रीन भी लगाए गए है। इसके अतिरिक्त खालसा स्कूल के सामने ऑक्सीजोन से लगकर, पंडरी कपड़ा मार्केट, महालक्ष्मी मार्केट (ब्लू एवं पिंक) में प्रसाधन की सुविधा तैयार की गई है। नगर निगम रायपुर द्वारा प्रमुख बाजार एवं भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं, पुरूषों व तृतीय लिंग समुदाय के लिए 18 स्मार्ट टॉयलेट निर्माण भी नगर निगम ने प्रारंभ किया है।

17. **तुंहर सरकार–तुंहर द्वार :–** नागरिक सेवाओं एवं सुविधाओं से जुड़ी जन शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्राप्त सुझावों पर क्रियान्वयन हेतु नगर निगम रायपुर द्वारा "तुंहर सरकार–तुंहर द्वार" कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27.01.2021 से 02 मार्च 2021 तक किया गया था। यह आयोजन सभी 70 वार्ड में किया गया। हर रोज दो वार्ड में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया गया है। उक्त शिविर में लगभग 40 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 33 हजार आवेदनों का निराकरण शिविर में किया गया। इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों में "तुंहर सरकार–तुंहर द्वार" कार्यक्रम के आयोजन का निर्णय लिया गया।

18. **महात्मा गांधी सदन :–** महात्मा गांधी के स्वराज व विकेन्द्रीकृत व्यवस्था से प्रेरित रायपुर नगर निगम द्वारा मुख्यालय भवन का नामकरण महात्मा गांधी सदन के रूप में किया है। हमारी परिषद द्वारा इस परिसर के प्रवेश द्वार पर महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई है एवं प्रतिदिन 10:30 बजे से 11:00 बजे तक **रघुपति राघव राजा राम की धुन** प्रत्येक तल पर गूंजती है।

19. **गोधन न्याय योजना :–** निर्धन परिवारों को स्वावलंबन व रोजगार से जोड़ने की छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का प्रारंभ 20 जुलाई 2020 को किया गया। रायपुर नगर निगम क्षेत्र में अब तक इस योजना के माध्यम से 851 हितग्राहियों को रोजगार से जोड़ते हुए **1,20,521.76 क्विंटल गोबर की खरीदी की** गई है। इस योजना से लाभान्वित हितग्राहियों को अब तक 241 लाख रू. का भुगतान

किया जा चुका है। इस योजना से महिला समूहों को भी विशेष लाभ हो रहा है और महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में अपने कदम आगे बढ़ा रही हैं। वर्तमान में 09 समूहों की 101 महिलाएं कार्यरत है। इन्हें अब तक कम्पोस्ट व गोबर से तैयार अन्य सामग्री से विक्रयकर 40,32,781.00 रू. प्राप्त हुए है। आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में यह छत्तीसगढ़ सरकार का क्रांतिकारी कदम है, जिसका सीधा लाभ निर्धन परिवारों को प्राप्त हो रहा हैं।

20. अमृत मिशन योजना :– रायपुर नगर निगम क्षेत्र में हर घर तक शुद्ध जल अबाधित रूप से उपलब्ध कराने व संपूर्ण रायपुर क्षेत्र को टैंकर मुक्त करने के उद्देश्य से अमृत मिशन योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना को अमल में लाते हुए रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 80 प्रतिशत कार्य पूर्णता पर है, इनमें टंकी का निर्माण, पाईप लाइन बिछाने का कार्य, नल कनेक्शन आदि सम्मिलित हैं। उपरोक्त योजनांतर्गत 1000 कि.मी. से अधिक पाईप लाइन का कार्य पूरा कर लिया गया है एवं **80 हजार नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति** इस योजना के तहत शुरू की जा चुकी हैं। योजना के तहत निर्मित पांच उच्च स्तरीय टंकिया रामनगर, श्याम नगर, कचना देवपुरी व आमासिवनी से आम नागरिकों को जल प्रदाय किया जा रहा है। मार्च 2022 तक योजना पूर्ण करने का लक्ष्य है।

पेयजल के अलावा जल निकासी की समुचित व्यवस्था भी रायपुर नगर निगम द्वारा शहर में की जा रही है। रायपुर की जीवन दायिनी नदी खारून को जल प्रदूषण से मुक्त रखने हेतु शहर से निकलने वाले 17 नालों में बहने वाले पानी के शुद्धिकरण हेतु सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) की स्थापना की जा रही है। इसमें भाटागांव में निर्मित 6 MLD STP का लोकार्पण किया जा चुका है। निमोरा में 90 MLD क्षमता के छत्तीसगढ़ के प्रथम ऑटोमेटिक STP का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा कारा 35 MLD STP का ट्रायल रन अंतिम चरण में है। उक्त क्षमता के एस.टी.पी. प्रदेश में विशेष रूप से संचालित होंगे, इससे नगर निगम को राजस्व आय की प्राप्ति भी होगी।

21. 24X7 जल आपूर्ति योजना :– रायपुर शहर के सघन बस्तियों में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा 24X7 जल आपूर्ति की महती योजना तैयार की गई है। लगभग रू. 74.38 करोड़ रूपए लागत की प्रस्तावित इस योजना का भूमिपूजन माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी द्वारा 13 जून 2021 को किया गया है। इस योजना के पूर्ण होने से परियोजना क्षेत्र में 24 घंटे जल आपूर्ति होगी। स्मार्ट मीटर से बिलिंग होने व वैध नल कनेक्शन की

संख्या बढ़ने से राजस्व आय में वृद्धि एवं वित्तीय मॉनीटरिंग बेहतर होगी।

22. **ऑनलाइन सुविधा :–** रायपुर नगरीय क्षेत्र के निवासियों को घर बैठे नागरिक सेवाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा ऑनलाइन भुगतान, अनुज्ञा, शिकायत/सुझाव की सुविधा विकसित की गई है। नगर निगम रायपुर में ऑनलाइन सुविधा अंतर्गत जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन कार्ड, गुमास्ता लाइसेंस, आधार कार्ड, निदान –1100, भवन एवं निर्माण अनुज्ञा, राजस्व वसूली, सूचना का अधिकार इत्यादि प्रचलित है। शीघ्र ही **नल कनेक्शन एवं सामुदायिक भवनों की बुकिंग ऑनलाइन** की जा रही है।

भवन निर्माण अनुज्ञा हेतु नई सुविधा :– मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देशन में भवन निर्माण हेतु भवन अनुज्ञा में विलंब को ध्यान में रखते हुए एक सॉफ्टवेयर एप तैयार किया गया है, जिसमें 500 वर्ग मीटर की भूमि पर भवन निर्माण अनुज्ञा सहपत्र सहित जमा करने के उपरांत सिर्फ **एक सेकेण्ड में एक क्लिक पर मानचित्र** आवेदनकर्ता को प्राप्त हो जाएगा। इससे आम जनता को बहुत राहत मिलेगी। किसी भी प्रकार की शिकायत हेतु हेल्पलाइन नंबर–1100 पर सम्पर्क किया जा सकता है। ऑनलाइन माध्यम से वेबासईड www.niwaspass.com पर जाकर पंजीकृत आर्किटेक्ट द्वारा नक्शे के साथ भूमि स्वामित्व और अन्य वांछित दस्तावेज अपलोड करने पर एक रूपए के आवेदन शुल्क में भवन अनुज्ञा, अनुमोदित ड्राइंग एवं रसीद जारी हो जाएगी।

23. **कोरोना आपदा :–** माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के निर्देशों के अनुरूप कोविड–19 के प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण में रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कोरोना संक्रमण से बचाव, राहत व आपदा प्रबंधन के साथ ही मरीजों की पहचान कर उन्हें चिकित्सकीय सुविधा सुलभ कराने में नगर निगम द्वारा अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई। वर्तमान परिस्थितियों में कोरोना मरीजों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए शहर में कोविड अस्पताल व कोविड केयर सेंटर में सम्पूर्ण सुविधा सुनिश्चित करने हेतु जोन व वार्ड स्तर पर उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए मरीजों और उनके परिजनों को तत्काल स्वास्थ्य व मूलभूत नागरिक सुविधाएं सुलभ कराई गई। नगरीय क्षेत्र की नियमित सफाई, सेनेटाईजेशन, मास्क वितरण के अलावा शहर में संचालित कोविड अस्पतालों व ऑइसोलेशन सेंटर में समस्त व्यवस्थाओं के प्रबंधन का कार्य नगर निगम द्वारा स्वास्थ्य विभाग से मिलकर किया गया।

24. राजस्व आय :– किसी भी संगठन के संचालन एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में राजस्व आय की महती भूमिका होती है। रायपुर नगर निगम अपनी कार्य योजना को सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल के तौर पर विकसित करने पर जोर दे रहा है। संसाधनों व शासकीय संपत्तियों के समुचित रख–रखाव के साथ ही आय के नए स्त्रोत विकसित किए जा रहे है। विगत दो वर्षो में नगर निगम रायपुर द्वारा राजस्व आय में वृद्धि हेतु विशेष प्रबंध किए जा रहे है एवं राजस्व वसूली में तेजी लाई जा रही है। वर्ष 2018–19 में 135 करोड़, 2019–20 में 138. 39 करोड़ एवं 2020–21 में 160 करोड़ रूपए राजस्व आय की प्राप्ति हुई। इस वित्तीय वर्ष राजस्व वसूली का अनुमानित लक्ष्य 234 करोड़ रूपए निर्धारित किया गया है।

वित्तीय वर्ष 2022–2023 के बजट का अनुमान निम्नानुसार है :–

क्रमांक	मुख्य लेखा शीर्ष	बजट अनुमान 2022–2023
01	प्रारंभिक शेष	78 करोड़ 39 लाख 98 हजार
02	कुल वार्षिक आय	1395 करोड़ 84 लाख 51 हजार
	योग	**1474 करोड़ 24 लाख 49 हजार**
03	**कुल व्यय**	**1475 करोड़ 15 लाख 24 हजार**
	अंतिम शेष	**(–) 90 लाख 74 हजार**

आय

रायपुर नगर निगम के आगामी वित्तीय वर्ष 2022–2023 के लिए आय का कुल अनुमान 1395 करोड़ 84 लाख 51 हजार रू. है, जिसमें पूंजीगत आय 938 करोड़ 74 लाख 31 हजार, डिपाजिट वर्क आय 26 करोड़ 40 लाख रू.।

अन्य राजस्व प्राप्तियां निम्नानुसार है :–

क्रमांक	राजस्व प्राप्तियां	राशि
01	दर तथा कर	167 करोड़ 44 लाख 80 हजार
02	किराया पट्टों से आय	11 करोड़ 75 लाख 50 हजार
03	फीस एवं शुल्क	46 करोड़ 15 लाख 40 हजार
04	अन्य स्वच्छता प्रभार	44 करोड़ 28 लाख 49 हजार
05	विविध	15 करोड़ 92 लाख 38 हजार
06	अनुदान एवं अंशदान	145 करोड़ 13 लाख 63 हजार

व्यय

नगर निगम रायपुर के बजट वर्ष 2022–23 के प्रमुख व्यय अनुमान इस प्रकार है :–

मांग क्रमांक 01

वित्त लेखा एवं अंकेक्षण :– इस विभाग से संबंधित कुल व्यय 66 करोड़ 50 लाख 02 हजार का अनुमान है जिसमे (6 एवं 7 वेतनमान) महंगाई भत्ता बकाया भुगतान एवं कर्मचारियों के पुनरीक्षित वेतनमान के भुगतान हेतु 05 करोड़ रूपये तथा ऋणों के प्रतिशोधन हेतु 02 करोड़ 50 लाख रू. का व्यय प्रावधान भी सम्मिलित है।

मांग क्रमांक 02

सामान्य प्रशासन एवं विधायी कार्य विभाग :– कुल व्यय प्रस्ताव 26 करोड़ 01 लाख 76 हजार रू. का है।

मांग क्रमांक 03

नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग :– इस विभाग से संबंधित व्यय का कुल प्रस्ताव 90 करोड़ 49 लाख 97 हजार रू. है, जिसमें भू–अर्जन/भूमि का क्षतिपूरक मुआवजा 80 करोड़ रू. का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 04

लोक कर्म विभाग :– लोक कर्म विभाग से संबंधित कार्यों के लिए कुल प्रस्ताव 115 करोड़ 99 लाख 31 हजार रू. का प्रावधान है, इसके अंतर्गत प्रावधानित मुख्य विकास कार्य निम्नलिखित है :–

1.	बड़े नालों का निर्माण	–	15 करोड़
2.	सीमेंट मार्ग निर्माण	–	9 करोड़
3.	मार्ग का डामरीकरण	–	10 करोड़ 50 लाख
4.	मास्टर प्लॉन के अनुरूप सड़क निर्माण योजना	–	05 करोड़
5.	जोन कार्यालय एवं प्रत्येक वार्ड मे कार्यालय भवन हेतु	–	02 करोड़ 50 लाख
6.	फुटपाथ एवं पेवर निर्माण	–	04 करोड़ 75 लाख
7.	चौराहों का सौंदर्यीकरण	–	07 करोड 50 लाख
8.	नाली निर्माण	–	04 करोड़ 50 लाख
9.	डब्लू.बी.एम. मार्ग	–	03 करोड़
10.	ट्रेफिक सुधार एवं जागरूकता	–	02 करोड़
11.	महापौर निधि	–	02 करोड़ 50 लाख
12.	अध्यक्ष निधि	–	01 करोड़ 50 लाख

मांग क्रमांक 05

जल कार्य विभाग :– इससे संबंधित व्यय का अनुमान 89 करोड़ 81 लाख 76 हजार रू. का है, जिसमें नवीन जलवाहिनी अभिन्यास कार्य हेतु 10 करोड़, पेयजल परिवहन कार्य हेतु 50 लाख एवं पॉवर पंप क्रय एवं संधारण कार्य हेतु 2 करोड़ का प्रावधान है। जलागारों के वार्षिक सुधार/निर्माण (भनुपरी टंकी) हेतु 01 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।

मांग क्रमांक 06

राजस्व विभाग :– राजस्व विभाग हेतु 09 करोड़ 68 लाख 74 हजार व्यय का प्रस्ताव है।

मांग क्रमांक 07

खाद्य लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :– वित्तीय वर्ष 2022–2023 में इस विभाग हेतु 78 करोड़ 17 लाख 72 हजार का प्रावधान रखा गया है, प्रमुख व्यय मच्छर उन्मुलन, आवारा कुत्तों के बंध्याकरण, सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट, मशीन क्रय, सफाई मित्र योजना, चिकित्सालयों हेतु दवाई एवं उपकरण पर, मदर फिडींग सेंटर हेतु 20 लाख रूपये एवं डेड बॉडी रखने के लिये फीजर 10 लाख रूपये का प्रावधान है।

मांग क्रमांक 08

विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग :– इस विभाग हेतु 55 करोड़ 94 लाख 52 हजार रू. व्यय का अनुमान है, इसमें मुख्य रूप से मार्ग विद्युतीकरण हेतु 01 करोड़, सौर ऊर्जा से संबंधित कार्यों हेतु 50 लाख, विद्युत सामग्री क्रय हेतु 02 करोड़ व्यय का प्रावधान रखा गया है।

मांग क्रमांक 09

गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग :– हेतु 58 लाख 39 हजार व्यय का प्रावधान है।

मांग क्रमांक 10

महिला एवं बाल विकास विभाग :– इस हेतु कुल 34 लाख 56 हजार का प्रस्ताव है, इसमे प्रमुख रूप से निगम क्षेत्र की निर्धन महिलाओं के लिए कुटीर उद्योगों के माध्यम से उन्हें स्व–रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।

मांग क्रमांक 11

अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग :– इस विभाग हेतु 53 लाख 17 हजार का प्रावधान है, इस वर्ग के युवाओं एवं महिलाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने का विशेष प्रावधान रखा गया है।

मांग क्रमांक 12

खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग :– से संबंधित व्यय हेतु कुल 1 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया है। खिलाड़ी के लिये खेल शिविर/ खेल प्रशिक्षण/ वार्षिक समारोह हेतु 1 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 13

पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग :– इस विभाग हेतु 19 करोड़ 43 लाख 97 हजार व्यय का प्रस्ताव है। इसमें मुख्य रूप से नवीन उद्यानों की स्थापना में 08 करोड़, उद्यानों का संधारण 02 करोड़, खेलकूद सामग्री 02 करोड़, वृक्षारोपण में 01 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 14

संस्कृति एवं पर्यटन मनोरंजन एवं विरासत संरक्षण विभागः– इस विभाग हेतु 03 करोड़ 84 लाख 69 हजार रू. व्यय का प्रस्ताव रखा गया है। छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु संगोष्ठियों के आयोजन एवं प्रोत्साहन हेतु 10 लाख रू. एवं निगम कर्मचारियों एवं जनता के लिए संगीत क्लब एवं सांस्कृतिक क्लब के लिए 40 लाख रू. का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मेला स्थल के लिए 55 लाख रूपये का प्रावधान किया गया हैं।

मांग क्रमांक 15

जोन व्यय :– जोन कार्यालयों के माध्यम से कुल 147 करोड़ 43 हजार व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिसमें प्रमुख व्यय प्रस्ताव निम्नानुसार है :–

1. सफाई ठेका – 44 करोड़ 54 लाख
2. गलियों का कांक्रीटीकरण – 09 करोड़ 86 लाख 40 हजार
3. मार्ग संधारण – 07 करोड़ 96 लाख 09 हजार
4. सामुदायिक भवन – 08 करोड़ 73 लाख 97 हजार
5. समस्त भवनो का वार्षिक संधारण – 02 करोड़ 72 लाख 54 हजार

6. नालियों का वार्षिक संधारण – 06 करोड़ 73 लाख 86 हजार
7. पार्षद निधि – 03 करोड़ 39 लाख 37 हजार
8. सार्वजनिक कुओं और तालाबों– 01 करोड़ 76 लाख 04 हजार
की सफाई
9. श्रद्धांजली योजना – 51 लाख 71 हजार

<u>मांग क्रमांक 16</u>

पूंजीगत व्यय के अंतर्गत कुल 741 करोड़ 74 लाख 55 हजार रू. व्यय का अनुमान है, जिसमें प्रमुख है :–

1. सबके लिये आवास योजना – 31 करोड़
2. अमृत मिशन योजना – 110 करोड़
3. खारून नदी में मिलने से पूर्व – 1 करोड़ 50 लाख
नालियों के पानी का शुद्धीकरण हेतु ट्रीटमेंट प्लांट
4. अधोसंरचना मद – 150 करोड़
5. नगर विकास योजना/मार्ग चौड़ीकरण – 08 करोड़
6. बी.एस.यू.पी. – 01 करोड़
7. डामरीकरण कार्य – 01 करोड़
8. आश्रय शुल्क – 02 करोड़
9. वार्षिक संधारण – 15 करोड़
10. स्लाटर हाऊस निर्माण – 20 लाख
11. पुष्पवाटिका योजना – 05 करोड़ 50 लाख़
12. गोकुल नगर का विकास कार्य – 02 करोड़
13. जिमखाना/व्यायाम शाला – 01 करोड़
14. पुराने अंडर ग्राउंड सिवरेज सिस्टम – 01 करोड़
की मरम्मत अनुरंक्षण
15. बहुउद्देशीय व्यावसायिक परिसर – 01 करोड़
का निर्माण
16. मंगल भवन – 02 करोड़
17. सड़क मरम्मत अनुरक्षण – 50 लाख
18. सरोवर धरोहर योजना – 05 करोड़
19. राजीव आवास योजना – 40 लाख
20. उन्मुक्त खेल मैदान योजना – 05 करोड़ 50 लाख
(पंडरी स्थित प्रगति मैदान सहित)
21. पार्षदों की अनुशंसा के कार्य – 03 करोड 50 लाख
22. मुक्तिधाम योजना – 03 करोड़
23. सार्वजनिक प्रसाधन योजना – 03 करोड़
24. चौक चौराहो पर जेब्रा क्रॉसिंग का – 02 करोड़

25. पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक स्थलो का
जीर्णोद्धार एवं मरम्मत – 01 करोड़

26. ज्ञानस्थली योजना	–	01 करोड़ 50 लाख
27. पुष्प बाजार	–	15 लाख
28. वार्डों में आगंतुकों के लिये पथ प्रदर्शक पट्टिका एवं महत्वपूर्ण स्थलों के सूचक	–	01 करोड़
29. धातु फ्रेम मे महापुरूषो की जीवनी लेख	–	50 लाख
30. कांजी हाऊस का निर्माण	–	01 करोड़
31. सुविधा –24	–	30 लाख
32. डूमरतराई थोक बाजार मे रिक्त भूमि पर कॉमर्शियल काम्पलेक्स निर्माण कार्य	–	02 करोड़
33. गोधन न्याय योजना	–	01 करोड़ 20 लाख
34. वार्ड कार्यालय	–	50 लाख
35. प्रत्येक जोन में ई–गवर्नेस की स्थापन	–	01 करोड़
36. सिटी बस योजना	–	01 करोड़

<u>मांग क्रमांक 17</u>

डिपॉजिट वर्क :– इस मद में 27 करोड़ 44 लाख 19 हजार रू. का प्रावधान रखा है, इसमें प्रमुख रूप से जिला योजना मंडल के कार्य, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना आदि के व्यय प्रावधानित हैं।

वर्ष 2022–23 के लिए रायपुर नगर निगम ने नगर के संतुलित विकास का रोडमैप तैयार किया है, इसके अंतर्गत–

- रायपुर की जीवनदायिनी खारून नदी के शुद्धिकरण का लक्ष्य आगामी तीन वर्षों की कार्य योजना में शामिल है। इसके तहत रायपुर शहर से बहकर नदी में पहुंचने वाले अपशिष्ट मिश्रित 17 नालों के पानी के शुद्धिकरण हेतु 206 एम.एल.डी. के चार एस.टी.पी. शुरू होंगे।

- पौनी–पसारी योजना व नये वेंडिंग जोन का निर्धारण कर लघु व्यवसायियों को सुगम व्यवसाय के लिए सहायता करने पूरे नगर निगम क्षेत्र में कार्य योजना तैयार कर इसका क्रियान्वयन किया जाएगा।

- टैंकर मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने "अमृत मिशन" योजना का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

- सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। मरीजों को समय पर एम्बुलेंस जैसे जरूरी सुविधाएं तत्काल प्राप्त हो, इसके लिए सभी 10 जोन में पृथक–पृथक 10 एम्बुलेंस की व्यवस्था रायपुर नगर निगम द्वारा किया जावेगा।

- परिवार में किसी सदस्य के मृत्यु उपरांत शव को सुरक्षित रखने डी–फ्रीजर की आवश्यकता महसूस की जाती है। रायपुर नगर निगम इस दिशा में संवेदनशील पहल करते हुए नगर निगम के सभी 10 जोन में पृथक–पृथक डी–फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

- रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी मुक्तिधाम में दाह संस्कार हेतु गौ–काष्ठ उपलब्ध कराया जाएगा। जिसमे निम्न आय वर्ग के लोगो को उनके मृत परिजन के दाह संस्कार हेतु निःशुल्क गौ–काष्ठ नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा।

- इस वित्तीय वर्ष में निर्धन परिवारों के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा की सुविधा सुलभ कराने भाटागांव स्थित बिन्नी बाई सोनकर उत्कृष्ठ विद्यालय का अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में उन्नयन करके सुविधा संपन्न बनाया जाएगा।

- घरेलू जरूरत की उपयोगी सेवाएं जैसे– कारपेंटर, प्लंबर, टीवी, फ्रीज़, कूलर मैकेनिक आदि की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने ऑनलाइन पोर्टल/एप तैयार किया जाएगा, जिससे स्थानीय कामगारों को रोजगार मिलेगा एवं आम लोगों को घर बैठे उनकी जरूरतें पूरी होंगी।

- स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सुगमता पूर्वक हर घर तक हो सकें, इसके लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना का कवरेज बढ़ाया जाएगा एवं मोहल्ला क्लीनिक स्थापित होंगे। मोहल्ला क्लीनिक हेतु शासन द्वारा 70 वार्डो में एवं 10 जोन कार्यालयों मे कुल 80 क्लीनिक की स्थापना की जावेगी। प्रत्येक मोहल्ला क्लीनिक हेतु राशि रू. 25–25 लाख की स्वीकृति शासन से प्राप्त होगी।

- शासकीय विद्यालयों को अध्ययन, अध्यापन के साथ अधोसंरचनात्मक तौर पर विकसित कर बौद्धिक, शैक्षिक, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने सुदृढ़ आधारशिला तैयार की जाएगी।

- रायपुर के खेल मैदानों को सुविधाजनक रूप से विकसित करने के साथ तालाबों व उद्यानों को भी नया कलेवर आगामी तीन वर्षों में दिया जाएगा।

- सड़कें सुविधा जनक हो, सड़क में रोशनी की व्यवस्था मुख्य मार्गों सहित आंतरिक मार्गों में भी हो, स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में शुमार होने जमीनी स्तर पर ठोस प्रबंध सुनिश्चित किए जायेंगे।

- जन सहभागिता से रायपुर में विकास का चक्र तेज गति से आगे बढ़े और शासन की हर कल्याणकारी योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाएं, इन संकल्पों के साथ रायपुर की तस्वीर संवारने नगर निगम रायपुर विकास की नई इबारत लिख रहा है।

आदरणीय साथियों,

रायपुर में नागरिक सुविधाओं और सेवाओं से खुशहाली एवं तरक्की का मार्ग प्रशस्त हो इन जिम्मेदारियों के साथ नगर पालिक निगम, रायपुर के वित्तीय वर्ष 2022–2023 का लेखा–जोखा सदन के पटल पर घाटे के बजट के साथ प्रस्तुत है, जिसे मेयर इन काउंसिल की बैठक में दिनांक 18/02/2022 को पारित संकल्प क्र.–01 के आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा प्रस्तुत बजट विचार–विमर्श उपरांत आवश्यक निर्देश–अनुदेश ग्रहित प्रस्ताव पेश कर रहा हूँ।

आइए, संकल्प लें एकजुट होकर रायपुर को सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में प्रतिष्ठित करने अपना योगदान देंगे। इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

धन्यवाद.....

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़

एजाज़ ढेबर
महापौर,
नगर पालिक निगम,
रायपुर